LT. GEN. (DR.) D.P. VATS (RETD.): Sir, through you, I would like to ask the hon. Minister what has been done about the aspirational district of Mewat in Haryana *vis-a-vis* CSR Funds invested in that.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This question is related to Karnataka. If the Minister wants, he can reply.

RAO INDERJIT SINGH: Mewat falls in my Constituency. ...*(Interruptions)*... So, I have information on that. Out of the CSR funding, Mewat secured ₹ 4.33 crores over the last one year. The number of CPSEs which have been requested to provide funds to the district administration are HPCL, RITES Ltd., BPCL, Steel Authority of India, Indian Oil Corporation, NMDC Ltd., etc. I think they are trying to do their best to get some money from CSR as well.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Question No. 47. Shri Sanjay Raut.

Dues pending with Reliance Jio for using BSNL's/MTNL's infrastructure

*47. SHRI SANJAY RAUT: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Reliance Jio is the biggest mobile tower client for BSNL and MTNL;

(b) if so, how much amount have been received from Reliance Jio for using BSNL and MTNL's infrastructure and services in the country since last three years;

(c) how much of dues are pending with Reliance Jio and the steps taken by Government to recover the pending amount; and

(d) how much of fixed income have been transferred from BSNL/MTNL to Reliance Jio during the last three years and reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS, (SHRI DHOTRE SANJAY SHAMRAO): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Pursuant to policy formulated by the Government to permit sharing of infrastructure by Telecom Service Providers (TSPs), Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) and Mahanagar Telephone Nigam Limited (MTNL) are also monetising their

tower assets by permitting sharing of their towers with other TSPs. Accordingly, some of their towers, apart from being used by BSNL and MTNL are also leased to other TSPs *viz.* Reliance Jio, Vodafone Idea and Bharti Airtel etc. Similarly, BSNL and MTNL are also using towers taken on rent from other telecom and infrastructure service providers.

Out of 13146 mobile towers shared by BSNL, 8363, 2779 and 1782 mobile towers have been shared with Reliance Jio, Bharti Airtel and Vodafone Idea respectively. Out of 402 mobile towers shared by MTNL, 137, 100 and 165 mobile towers have been shared with Reliance Jio, Bharti Airtel and Vodafone Idea respectively.

(b) Amount received from Reliance Jio since last three years for using BSNL's/ MTNL's infrastructure and services is as under:

Financial Year	Amount received from Reliance Jio by	
	BSNL	MTNL
2016-17	171.81	10.49
2017-18	472.80	11.02
2018-19	678.38	17.59
2019-20 (up to December, 2019)	402.28	7.74

(c) BSNL and MTNL have informed that ₹ 167.97 crore and ₹ 11.62 crore respectively are outstanding from Reliance Jio. To recover the outstanding dues, matter is being regularly pursued by both BSNL and MTNL.

(d) No fixed income has been transferred from BSNL/MTNL to Reliance Jio.

श्री संजय राउत: सर, इस वक्त हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी पब्लिक सेक्टर टेलिकॉम कम्पनी बीएसएनएल, एमटीएनएल बहुत ही बुरे दौर से गुजर रही है। कम्पनी की हालत खराब है, यह कम्पनी बंद हो सकती है या फिर सरकार इसे बंद करना चाहती है। अभी बीएसएनएल और एमटीएनएल कम्पनी की जो असली प्रॉपर्टी है, वे मोबाइल टावर्स हैं, नेटवर्क है।

श्री उपसभापति: संजय जी, आप क्वेश्चन पूछिए।

श्री संजय राउत: वह भी आपने रेंट पर देना शुरू कर दिया है। दो साल पहले बीएसएनएल, एमटीएनएल के मोबाइल टावर्स कारोबार के लिए एक अलग कम्पनी बनाई गई थी। मैं पूछना चाहता हूं कि अब इस कम्पनी की पोजिशन क्या है?

श्री उपसभापतिः धन्यवाद।

श्री संजय राउतः जो आपने अलग कम्पनी बनाई थी। देश में लगभग 4,50,000 टावर्स हैं, इनमें से 66,000 टावर्स हमारे बीएसएनएल, एमटीएनएल के हैं। यह कम्पनी बनने के बाद आपने कितने टावर्स बढ़ाए हैं?

श्री उपसभापतिः आपका क्वेश्चन हो गया। आप उत्तर की प्रतीक्षा करें।

श्री धोत्रे संजय शामरावः उपसभापति महोदय, जो टावर्स की पॉलिसी है, यह 2002-03 में बनाई गई थी। बीएसएनएल ने अपने टावर्स लीज़ पर दिए। बीएसएनएल भी दूसरी कम्पनी के जो टावर्स हैं - कुछ-कुछ तो ऐसी कम्पनियां हैं, जो सिर्फ टावर ही बनाती हैं, क्योंकि टावर बनाते समय कम्पनी को एक तो जगह की प्रॉब्लम रहती है।...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउतः कम्पनी का क्या होगा?

श्री धोत्रे संजय शामरावः इसका optimum use हो, इसके लिए पॉलिसी बनाई गई और इसमें हमने लीज़ आउट भी किए और लीज़ इन भी किए हुए हैं। ऐसा सभी तरफ चल रहा है। इससे कम्पनी को रेंट भी मिलता है, क्योंकि हम सिर्फ अगर हमारा यूज करें, तो हमें एडिशनल इनकम उसके कारण हो रही है।

श्री संजय राउतः मैं माननीय मंत्री जी से पूछ रहा हूं कि उस कम्पनी का क्या हुआ? यह कम्पनी है या नही है, यह कम्पनी चल रही है या नही चल रही है? आज बीएसएनएल के हजारों कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः संजय जी, आप दूसरा सप्लीमेंटरी क्वेश्चन पूछ लीजिए।

श्री संजय राउतः सर, मेरा दूसरा सवाल है, आपने कहा कि ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः प्लीज़, प्लीज़। आपस में बात न करें। ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय राउतः यह कम्पनी केबिनेट की मंजूरी से स्थापित हुई थी। सर, मेरे पहले सवाल का जवाब नही मिला है।

श्री उपसभापतिः ठीक है। उसके लिए प्रॉपर प्रोसीजर है।

श्री संजय राउतः सर, ठीक है। देखिए, बीएसएनएल और एमटीएनएल अपने टावर्स प्राइवेट कम्पनियों को रेंट पर देते हैं, उनका आउटस्टैंडिंग भी है। बीएसएनएल और एमटीएनएल का जियो से लगभग 200 करोड़ रुपया आना बाकी है। इसके अलावा वोडाफोन है, आइडिया, भारती एयरटेल है, इन सबको आपने टावर्स रेंट पर दिये हैं। उन पर कितना आउटस्टैंडिंग है? आपने कहा है कि हम पैसा वापस लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। इस समय लोगों को सैलेरी नही मिल रही है, लोगों को पेंशन नही मिल रही है।

श्री उपसभापति: सवाल ।

श्री संजय राउत: सर, सवाल तो यही है।

श्री उपसभापति: आप दो से ज्यादा सवाल नही पूछ सकते।

श्री संजय राउत: सर, उनके ऊपर जो पैसा आउटस्टैंडिंग है, पेंडिंग है, उसको कहां तलाश कर रहे हो? आप हमें बताइए, हम उस पैसे को कम्पनी के लिए लेकर आएंगे।

श्री उपसभापति: ठीक है। आपका सवाल हो गया। ...**(व्यवधान)**... अब आप बैठ जाइए।

श्री संजय राउत: हम कर देंगे ना! ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: संजय जी, अब आपकी बात रिकॉर्ड पर नही जा रही है। आपने सवाल पूछ लिया है। माननीय मंत्री जी। ...**(व्यवधान)**... कृपया शांति बनाए रखें।

विधि और न्याय मंत्री; संचार मंत्री; तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद): उपसभापति जी, माननीय सदस्य, श्री संजय राउत जी का जो सुझाव है वह बहुत ही उत्साहवर्धक है, मैं उसका ध्यान रखूंगा। महोदय, यह उनकी चिन्ता है, लेकिन मैं एक बात सदन में स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमारी सरकार BSNL और MTNL को strategic assets मानती है। ये दोनों संस्थाएं परेशानी में थी, इन्हें हम revive करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि भारत सरकार हजारों करोड़ रुपए लगा रही है और इन्हें हम ठीक करेंगे। इसलिए कृपया कभी इस दुविधा में मत रहिए कि BSNL और MTNL बन्द होंगे।

महोदय, जब देश में बाढ़ आती है, भूकम्प आता है या सेना की आवश्यकता होती है, तो यही BSNL और MTNL काम करते हैं। बाकी हम कार्रवाई कर रहे हैं। इसके बारे में कभी अलग से चर्चा करेंगे।

महोदय, जहां तक माननीय सदस्य की चिन्ता थी कि कर्मचारियों को payment नही हो रहा है, तो मैं इतना बताना चाहता हूं कि अपने assets की sharing टेलिकॉम कंपनियां करती हैं। BSNL ने भी एक asset-sharing, जियो, वोडा और एयरटेल के साथ किया है। उनका लेना-देना भी चलता रहता है। कई बार हमारा बकाया भी उनके पास होता है और कई बार उनका बकाया भी हमारे ऊपर होता है, लेकिन हमारा जो सिस्टम है, उसके अनुसार यह व्यापारिक संबंध है और उसे हम recover करते हैं। अत: माननीय सदस्य उसकी चिन्ता न करें।

महोदय, यदि संजय राउत जी की सहायता की जरूरत होगी, तो मैं अपने विभाग को जरूर कहूंगा कि वे उनकी मदद लें। ...**(व्यवधान)**...

SHRI MANISH GUPTA: Sir, through you, I would like to request the Minister to clarify certain issues. ...*(Interruptions)*...

श्री हुसैन दलवई: उपसभापति जी, ...

श्री उपसभापति: आपको रोज़-रोज़ बोलने का अवसर नहीं मिल सकता है।

SHRI MANISH GUPTA: Sir, the 5G spectrum allocation is on the anvil. I want to tell the Minister that BSNL is still having only 2G and 3G networks. Is there a scheme or a proposal or a plan to upgrade the BSNL network to 4G or 5G?

श्री धोत्रे संजय शामराव: माननीय उपसभापति जी, अभी जो revival package है, उसके अनुसार BSNL को 1 अप्रैल, 2020 से 4G के लिए spectrum allot हो जाएगा और उसके बाद हमारा 4G शुरू हो जाएगा। हम इस काम को लगभग 18 महीने में पूरा कार्य करेंगे। ...**(व्यवधान)**...

SHRI ANIL DESAI: Sir, recently, a big number of employees from BSNL and MTNL which ran into thousands, nearly a lakh of employees, were made to take VRS due to compulsions; the basic reason was the deterioration of the financial health of the company. May I know from the Minister, through you, Sir, whether the huge infrastructure, the assets which were created by BSNL and MTNL were monetised in this process to pay the bill?

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, this question was basically upon the tower-sharing. But the esteemed hon. Members are going into the realm of all the questions. He is right, Sir. Revival package also contains the core of optimum use of assets of the BSNL and MTNL. They have got the land, they have got the buildings, and they have got other properties. Therefore, appropriate asset monetisation and recovering of fiscal return from thereof is forming a part of this whole rehabilitation and revival package. I want to assure you that in your city of Mumbai, in Delhi and in other places, there are lands and there are other assets. We shall be properly using it for optimum use. I want to assure this House.

श्री राम नाथ ठाकुर: उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि BSNL का नाम है- "भाई साहब नही लगेगा"। मैं आपके माध्यम से उनके ध्यान में यह भी लाना चाहता हूं कि मेरा टेलिफोन 11 से 14, 15, 16 जनवरी तक, यानी चार दिन में नही लगा। अत: मैं आपके माध्यम से उनसे जानना चाहता हूं कि कब तक स्वतंत्र भार BSNL को दिया जाएगा, जिससे माननीय सदस्यों और उपभोक्ताओं के टेलिफोन लगातार चालू रह सकें?

श्री धोत्रे संजय शामराव: उपसभापति जी, सम्माननीय सदस्य ने एक चिंता व्यक्त की है और इस सभागृह में बैठे हुए सभी सदस्य भी बीएसएनएल और एमटीएनएल के बारे में हमेशा चिंतित रहते हैं। सर, उनकी जो हालत है, उसके लिए ही रिवाइवल पैकेज भी बनाया गया है। यद्यपि कुछ कमियाँ जरूर हैं, इसलिए उनमें सुधार लाने के लिए ही रिवाइवल पैकेज लाया गया है। मैं कहना चाहता हूं कि इस स्थिति में निश्चित तौर पर सुधार होगा ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रफुल्ल पटेल: माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि सही नंबर लगेगा या नही? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: कृपया आपस में बात नही कीजिए।

श्री धोत्रे संजय शामराव: अगर किसी भी सदस्य की और कोई प्रॉब्लम होगी, तो वे उसके बारे में कभी भी बता सकते हैं। ...**(व्यवधान)**... मैं निश्चित तौर पर निर्देश दूंगा कि किसी को भी - वह चाहे सदस्य हो या कोई आम आदमी हो, सभी को अच्छी क्वालिटी की सेवा मिलनी चाहिए। मैं यह बताना चाहता हूं कि हम इसके लिए निश्चित तौर पर प्रयासरत रहेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 48.

Decrease in sale of Post Cards, Inland Letters etc.

*48. SHRI A. VIJAYAKUMAR: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the sale of Post Cards, Inland Letters, etc. has decreased in recent years;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether there is any dedicated aircraft for Postal Department; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS, (SHRI DHOTRE SANJAY SHAMRAO): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Post Cards, Inland Letters are traditional services being offered by the Department of Posts to its customers. These services demonstrate the commitment of the Department to offer economical services to the common man. The cost incurred on the Post card is ₹ 12.98/- per piece. However, it is priced at ₹ 0.50/- per piece for affordable communication by the common man and other customers. Similarly, most of the mail services are also subsidized. Inspite of the proliferation of technological means of communications in the country, the Post Cards and Inland Letter Cards retain its popularity amongst the people. However, the demand for these services fluctuates from time to time. The Department also offers other services including Registered Letter services, Speed Post Letter services etc. Most of the services including Speed Post, Registered Post etc. have shown an increasing trend during the period.